

सारीख
हुकम

नम्बर या तारीख
अदालत या हुकम
हुकम की तारीख
के जारी हुए

15-4-21 पत्रावली पेश हुई, अभिभाषकगण द्वारा
न्यायिक कार्य स्थगित / यहिष्कार रखने
से पत्रावली दिनांक 12.5 को पेश हो।

13-5-21 उभय पक्ष उपस्थित पीठासीन अधिकारी राजकीय
कार्य से बाहर हैं। अवकाश पर है / पदरिक्त है।
अतः पत्रावली दिनांक 10.6 को पेश हो।

र
उपखण्ड अधिकारी

10-6-21 उभय पक्ष उपस्थित पीठासीन अधिकारी राजकीय
कार्य से बाहर हैं। अवकाश पर है / पदरिक्त है।
अतः पत्रावली दिनांक 29-7-21 को पेश हो।

र
रीडर

उपखण्ड अधिकारी माण्डल

29-7-21 उभय पक्ष उपस्थित पीठासीन अधिकारी राजकीय
कार्य से बाहर हैं। अवकाश पर है / पदरिक्त है।
अतः पत्रावली दिनांक 31.8.21 को पेश हो।

र
रीडर

उपखण्ड अधिकारी माण्डल

31-8-21 पत्रावली पेश हुई, उभयपक्ष उपस्थित, उभयपक्षों
ने बहस करना चाही। उभयपक्षों की बहस
सुनी गयी, पक्षों प्रार्थना में बहस के दौरान
प्रार्थना पत्र में अंकित दस्तावेजों के आधार
पर प्रार्थना पत्र को स्वीकार किये जाने की
इस्तदुआ की।

मैंने पत्रावली का अवलोकन किया तथा उभयपक्षों
की बहस पर मनन किया परोक्ष सरकार
के जवाब का अध्ययन किया, विवादित अमाजिम
ग्राम न्यायवेड पत्वार हल्का न्यायवेड वल्लील माण्डल
में स्थित होकर प्रार्थना के पिता हीरा पिता
किशाना बुम्हार देह स्वातेदार हल्का से रजि रेकार्ड है
जिसकी तारीख प्रस्तुत जमाबंदी संवत् 2066-
2069 से होती है प्रस्तुत दस्तावेजों एवं प्रार्थना

उपखण्ड अधिकारी
माण्डल जिला मीनवाड़ा

पत्र में अंकित तथ्यों के अनुसार प्रार्थी के पिता का नाम किसना के बजाय केशु नाम अंकित करवाना चाहता है जिसकी ताईद प्रस्तुत आधारकार्ड, जनआधार कार्ड, राशन कार्ड आदि की फोटो प्रति एवं जमावर्षी सवत 2073 - 2076 के खाता सं. 1527, 1527/1 से होती है उसी अनुसार प्रार्थी के पिता का नाम किसना के बजाय केशु नाम अंकित करवाना चाहता है ताकि बोल-चाल व राजस्व रेकार्ड में भिन्नता नही हो।

उपरोक्त विवेचन के आधार पर प्रार्थी अपने प्रार्थना पत्र की सिद्ध कराने में सफल रहने के कारण प्रार्थी का प्रार्थना पत्र स्वीकार किया जाना उचित समझती हूँ, अतः

∴ आदेश ∴

प्रार्थी का प्रार्थना पत्र स्वीकार किया जाकर ग्राम न्यांखेड परिवार हल्का-वांखेड तहसील माण्डल जिला - भीलवाड़ा में स्थित खाता सं. 501 में अराजी सं. 1878/42 में रकबा कुल 0.1391 हेक्टेयर भूमि के राजस्व रेकार्ड में हीरा पुत्र किसना कुम्हार के बजाय हीरा पुत्र केशु कुम्हार नाम अंकित किये जाने का आदेश दिया जाता है उसी अनुसार भूमि में प्रार्थी के पिता का नाम राजस्व रेकार्ड में दर्ज किया जावे। तहसीलदार माण्डल राजस्व रेकार्ड में दर्ज करे। पालना हेतु निर्णय की प्रति तहसीलदार माण्डल की मिजवाते हुए लिखा जावे। पत्रावली कैसल शुमार होकर दफतर दिखिल हो।